रजिस्ट्रेशन संख्या :– R.N.I. 36355/79
डाक पंजीकरण संख्या :– के0 पी0 सिटी –67 / 2024–26

चिकित्सा–विज्ञान और प्रौद्योगिक जगत में
सर्वाधिक प्रकाशित होने वाला निष्पक्ष समाचार पत्र

पाक्षिक

इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट

यह अंक 9 पेज का है

अधिकार किसको जानने के लिए भारत सरकार की वेबसाइट www.dhr.gov.in लॉगिन कर क्लिक करें अल्टरनेटिव मेडिसिन तथा गज़ट पढ़ने हेतु log in करें www.behm.org.in

पत्र व्यवहार हेतु पता :–
सम्पादक
इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट
127 / 204 'एस' जूही, कानपुर–208014
सम्पर्क सूत्र :– 9450153215 , 9415074806 , 9415486103

वर्ष – 48 ● अंक – 02 ● कानपुर 16 से 31 जनवरी 2026 ● प्रधान सम्पादक – डा0 एम0 एच0 इदरीसी ● वार्षिक मूल्य ₹ 100

पूरब हो या पश्चिम, उत्तर हो या दक्षिण हर ओर मैटी

इलेक्ट्रो होम्योपैथी के आविष्कारक

डा0 काउण्ट मैटी का 217 वाँ जन्मोत्सव सम्पन्न

इलेक्ट्रो होम्योपैथी के आविष्कारक काउण्ट सीज़र मैटी का 217 वाँ जन्मोत्सव भव्यता पूर्वक बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के प्रशासनिक कार्यालय के सभागार में जो नई नवेली दुलहन की तरह सजाया गया था बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया, सर्व प्रथम महात्मा मैटी के चित्र पर बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के चेयरमैन डा0 एम0 एच0 इदरीसी द्वारा माल्यार्पण किया गया तत्पश्चात बोर्ड की ओ0 एस0 डी0 डा0 शाहीना इदरीसी, रजिस्ट्रार डा0 संजय द्विवेदी इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया के संयुक्त सचिव डा0 गिरीश कुमार मिश्रा, बोर्ड के पूर्व रजिस्ट्रार डा0 अतीक अहमद, कानपुर के बहुत पुराने इलेक्ट्रो होम्योपैथ व समय समय पर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक आन्दोलनों में बढ़– चढ़ कर भाग लेने वालों में डा0 राम अवतार कुशवाहा, डा0 आर0 एल0 सविता चैबेपुर के डा0 संतोष पाण्डेय उनके सहयोगी श्री बाजपेई ने अपने पुष्प महात्मा मैटी को अर्पित किये, चेयरमैन डा0 इदरीसी ने कहा कि इस बार कोई भाषण नहीं होगा आज केवल मैटी का जन्म दिन मनाया जायेगा, चेयरमैन महोदय के आदेश का पालन करते हुये अपरान्ह 3–40 पर हैप्पी बर्थ–डे का पारम्परिक गीत गाया गया और तालियों की गूँज से केक काटकर सभी को बधाई दी गयी, केक और स्नैक्स के साथ ठण्ड के कारण सभी को चाय आदि का वितरण किया गया, वैसे तो इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिये अनेक चिकित्सक प्रातः 10 बजे ही बोर्ड के प्रशासनिक कार्यालय में आ चुके थे रविवार होने के कारण भी प्रशासनिक कार्यालय केवल डा0 काउण्ट सीज़र मैटी के 217 वें जन्म दिवस पर खुला हुआ था जो लोग भी आते सर्वप्रथम जो भी दिखता उसे मैटी के जन्म दिन की शुभकामनायें देता और अपनी सीट पर विराजमान हो जाता, जहाँ पर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सकों का समूह हो और चर्चा न हो ऐसा सम्भव नहीं है यहां पर भी लोग–बाग इलेक्ट्रो होम्योपैथी पर चर्चा करते दिखे कहीं कोई कहता कि अब शीघ्र ही उत्तर प्रदेश में भी इलेक्ट्रो होम्योपैथी के अच्छे दिन आने वाले हैं तो कहीं लोग यह कहते सुने गये कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी का यदि उत्तर प्रदेश में सरकारीकरण होगा तो बिना डा0 इदरीसी के हो ही नहीं सकता, किसी ने कहा कि याद है वह दिन जब 25 नवम्बर, 2003 का आदेश आया था और सभी ने एक स्वर में गलत व्याख्या कर डाली थी पूरे देश में भूचाल सा आ गया था कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी बन्द, तब भी देश की एक मात्र संस्था जिसे बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के नाम से लोग जानते पहचानते हैं, संस्था के चेयरमैन ने लोगों को जागृत किय और बताया कि सरकारी आदेश की आप सभी गलत व्याख्या कर रहे हैं कहीं कुछ भी बन्द नहीं है, बन्द है तो आपकी सोच और बुद्धिमानी, हालाँकि डा0 इदरीसी कदापि विचलित नहीं हुये थे, अपनी योग्यता एवं कुशाग्र बुद्धि का परिचय देते हुये सरकारी लिखा–पढ़ी तुरन्त चालू कर दी थी (परन्तु 2004 तक लोग डरे सहमें से रहने लगे थे कइयों ने तो अपना नाम/चिकित्सालय में लगा साइन बोर्ड तक उखाड़ फेंका था) जिसका परिणाम यह हुआ कि भारत सरकार को स्पष्ट आदेश जारी करना पड़ गया कि सरकार ने इलेक्ट्रो होम्योपैथी पर कोई रोक लगायी नहीं है, बात यहीं पर समाप्त नहीं हुयी, इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सकों का सबसे पुराना संगठन इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया ने बड़ा उग्र आन्दोलन चलाया और सरकार को अपनी नीति स्पष्ट करनी पड़ी दिनांक 21 जून, 2011 को भरत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया को बकायदा एक आदेश जारी किया और अपनी मंशा स्पष्ट कर दी थी तभी से .....

बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 भारत सरकार के आदेश दिनांक 25–11–2003 एवं 05– 05–2010 के अनुसार इलेक्ट्रो होम्योपैथी पद्धति की शिक्षा, चिकित्सा, पंजीकरण, अनुसंधान एवं विकास हेतु गठित जारी है

जबतक मेडिसिन की नई पद्धतियों की मान्यता के लिये विधान नहीं बन जाता तब तक कोई रोक नहीं है, यह बात सही है कि सरकारें आसानी से नहीं सुनती हैं उनको अपनी बात बतानी पड़ती है, परन्तु सफलता के लिए वास्तविक कार्य हो, चिकित्सकों को चाहिये कि अधिक से अधिक लोगों तक इलेक्ट्रो होम्योपैथी को पहुँचायें और जो शैक्षणिक संस्थानों/स्टडी सेन्टर्स के प्रमुख हैं वह भी इलेक्ट्रो होम्योपैथी के विकास के लिए और कार्य करें, बीता समय जीवन में कभी दोबारा नहीं आता इसलिये हर स्थिति में समय का सदुपयोग करें।

आज समय और सरकार दोनों आपके साथ हैं अभी भी इसके सार्थक प्रचार व प्रसार की आवश्यकता है यह ज़िम्मेदारी हम लोगों के साथ–साथ चिकित्सकों को भी निभानी होगी, इलेक्ट्रो होम्योपैथी की प्रासंगिकता बनाये रखने के लिए आवश्यक है कि अधिक से अधिक संख्या में चिकित्सक इसी विधा से चिकित्सा व्यवसाय कर जनता को स्वास्थ्य लाभ दें और आज से ही निडर होकर प्रैक्टिस करें।

जो बीत गया उसे जाने दें, आने वाला कल आपका है
प्रदेश में शीघ्र ही गठित होगा सरकारी बोर्ड
सार्थक प्रचार व प्रसार की आवश्यकता
अधिकार तो मिल गये उसका प्रयोग करें
इलेक्ट्रो होम्योपैथी एक सम्पूर्ण चिकित्सा पद्धति

अधिकारिता दिवस मनाया गया

प्रदेश में बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 द्वारा शिक्षित, प्रशिक्षित व पंजीकृत चिकित्सकों को चिकित्सा व्यवस्याय करने का अधिकार प्राप्त है इस हेतु उत्तर प्रदेश शासन के चिकित्सा अनुभाग – 6 ने दिनांक 04 जनवरी, 2012 को शासनादेश जारी किया था, इस आदेश की तिथि को ही हम अधिकार दिवस के रूप में मनाते हैं, जिसमें प्रदेश के अनेक जनपदों में कार्यक्रम होते हैं, यह जानकारी बोर्ड के चेयरमैन डा0 एम0 एच0 इदरीसी ने बोर्ड के सभागार में आयोजित अधिकार दिवस कार्यक्रम में बतायी उन्होंने कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए उपस्थिति चिकित्सकों को अधिकार दिवस की बधाई देते हुए कहा कि कानपुर में डा0 राम अवतार कुशवाहा तथा डा0 देवानन्द द्वारा ज़रूरतमन्दों के लिये इलेक्ट्रो होम्योपैथिक शिविर लगाकर जनता जनार्दन के बीच अपनी पहचान बनायी है यह प्रंशसनीय कार्य है, हमें इसी प्रकार ज़रूरतमन्दों का सहयोग करते रहना है क्योंकि आने वाले समय में इसी प्रकार के कार्यक्रमों की आवश्यकता है।

बोर्ड के रजिस्ट्रार डा0 संजय द्विवेदी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि 14 वर्ष का समय बीत जाने के उपरान्त भी अधिकारियों के रवैये में परिवर्तन नहीं आया है, जबकि सरकार का रूख इलेक्ट्रो होम्योपैथी के प्रति सकारात्मक है और वह लगातार इस पर कार्य भी कर रही है, बोर्ड के पूर्व रजिस्ट्रार डा0 अतीक अहमद ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश शासन द्वारा 4 जनवरी, 2012 को आदेश जारी किया जा चुका है, परन्तु प्रदेश का इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सक अभी भी अपने अधिकारों के प्रति जागरूक नही है।

200 वर्ष पूर्व शैक्षिक व्यवस्था क्या थी ?

आज हमारे कुछ नवयुवा साथी जो इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए कार्य कर रहे हैं उनका मानना है कि मैटी शिक्षित ही नहीं थे और न मैटी में इतनी योग्यता थी कि वह किसी नई पद्धति की खोज करते ! हो सकता है हमारे उन साथियों ने कहीं इस तरह का साहित्य पढ़ लिया होगा और बिना उस पर अनुशीलन किये इस तरह की चर्चा सार्वजनिक रूप से करने लगे, हमारे जो साथी इस तरह की चर्चा करते हैं उन्हें थोड़ा सा अपने चिन्तन पर विचार करना चाहिये कि योग्यता को किसी प्रमाण पत्र की आवश्यकता नहीं होती है।

आज से 200 वर्ष से पूर्व जब मैटी का जन्म हुआ होगा तब उस समय शैक्षिक व्यवस्था क्या थी ? इस पर भी उन्हें नज़र डालनी चाहिये आज जो इतिहास मैटी के बारे में मिल रहा है वह अकल्पनीय है, जब भी किसी का इतिहास लिखा जाता है तो इतिहास कार का अपना दृष्टिकोण होता है किसी भी महापुरूष के जीवन के बारे में हर इतिहासकार अपनी अपनी दृष्टि से चित्रण करता है, हम किसी भी महापुरूष के बारे में ले लें तो हम यही पाते हैं कि सारे इतिहासकारों का मत एक सा नहीं होता है एक इतिहासकार जहाँ जिस कार्य को सही ठहराता है वहीं उसी कार्य को दूसरा इतिहासकार अनावश्यक ठहरा देता है इस तरह की भ्रान्तियां तो चलती ही रहती हैं परन्तु समाज व्यक्ति की अच्छाईयों को ग्रहण कर लेता है, ठीक इसी तरह मैटी क्या थे ? और क्या नहीं थे ? इसके बारे में ज़्यादा जानने से बेहतर है कि जनहित में मैटी ने जो नई उपलब्धि दी उसे हम स्वीकारें, जब हम मैटी के बारे में ज़्यादा अध्ययन करते हैं तो दो शब्द भी दिखायी देते हैं वह शब्द हैं क्वैकरी व फ्रेंक।

कुछ लोगों का मानना है कि मैटी क्वैकरी करते थे तत्काल परिस्थितियों में क्वैकरी का अर्थ इस समय के अर्थ से कुछ भिन्न रहा होगा, चूंकि होम्योपैथी और इलेक्ट्रो होम्योपैथी परिस्थिति जन्य समान लगती हैं इसलिए उस समय लोगों ने उसे क्वैकरी का नाम दिया, हमें इन सब चीजों से ऊपर उठकर यह मानना है कि 200 वर्ष पहले मैटी थे, मैटी का साहित्य था, इलेक्ट्रो होम्योपैथी थी और यही हमारी पहचान है, सन 1880 के आस पास फादर मुलर जो हैनीमैन के प्रशसक व अनुयायी थे भारत वर्ष आये यहां पर शिक्षण कार्य किया और मैटी के विचारों को फैलाया, एक तरह से होम्योपैथी और इलेक्ट्रो होम्योपैथी के क्षेत्र में अपना साम्राज्य स्थापित किया यह वह सारे प्रमाण हैं जो हमें दिखायी देते हैं और इन प्रमाणों के लिए हमें किसी अन्य प्रमाण की आवश्यकता नही है।

1952 तक दिल्ली के पहले स्वास्थ्य मंत्री डा0 युद्धवीर सिंह इटली की दवाईयों का प्रयोग करते थे और चिकित्सा करके रोगियों को रोगमुक्त करते थे यह आजादी के बाद का प्रमाण है, अब मैटी के बारे में हम जितना भी जानना चाहें वह सबकुछ मिल सकता है बशर्ते हमारी दृष्टि संकीर्ण न हो, मात्र किसी एक व्यक्ति के कह देने से कोई विधा खराब नहीं हो जाती है, फिर जिसकी जड़ें लगभग 200 वर्ष पुरानी हों उसमें कुछ न कुछ दम तो है ही।

इसी दम के कारण यह पद्धति निरन्तर आगे बढ़ती जा रही है किसी के बारे में कोई टिप्पणी करना बहुत आसान होता है परन्तु वहां तक पहुँचना कितना मुश्किल होता है ! मैटी के बारे में लोग तरह तरह की बातें करते हैं लोग कहते हैं कि मैटी डाक्टर नहीं थे, तो जितने भी वैज्ञानिक होते हैं वह सिर्फ शोध करते हैं अपने मन में कौंद रहे विचारों को अन्तिम स्थिति देने के बारे में प्रयास करते हैं, अब आप न्यूटन को ही ले लें न्यूटन ने जो सिद्धान्त प्रतिपादित किया वह आज भी सर्वस्वीकार है अब कोई न्यूटन की योग्यता के बारे में टीका टिप्पणी करे यह कहाँ तक न्यायोचित है! इसका निर्णय आप स्वयं ही कर सकते हैं।

जिस मैटी की खोज पर लगातार 200 वर्षों तक भिन्न भिन्न देशों ने भिन्न भिन्न वैज्ञानिकों द्वारा कार्य किया जाता रहा, उस कार्य पर यदि कोई प्रश्न चिन्ह लगाता है तो वह तर्क संगत नहीं है, एलोपैथी का जन्म जब हुआ था उस समय क्या उसका स्वरूप इतना विराट था ? उत्तर में न ही मिलेगा, आवश्यकता के अनुसार विकास होता है समय की मांग और उपयोगिता परिवर्तन को जन्म देती है यही परिवर्तन विकास की गाथा कहते हैं, इलेक्ट्रो होम्योपैथी आज जिस पायदान पर है वह उसके विस्तार की कहानी स्वतः कह रही है।

जिन लोगों को मैटी के बारे में कोई सन्देह हो वह अपने स्तर से खुली दृष्टि से शोध करें निश्चित रूप से आप मैटी को जितना जानना चाहेंगे मैटी उससे कहीं आगे मिलेंगे।

अधिकारिता दिवस के अवसर पर बोर्ड में हुये कायक्रम कैमरे की नज़र में

अधिकारिता दिवस कार्यक्रम के कुछ चुने हुये छाया चित्र

माँ सरजू देवी इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट, लखीमपुर के संस्था प्रमुख डा0 आर0 के0 शर्मा अधिकारिता दिवस के अवसर पर डा0 काउण्ट सीज़र मैटी के चित्र पर माल्यापर्ण करते हुये इस अवसर पर दायीं ओर इन्सटीट्यूट, द्वारा एक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। —छाया गज़ट

आधिकारिता दिवस पर काउंट सीजर मैटी के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए । डॉ. पी.एन. कुशवाहा

आशीष इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट, रायबरेली के संस्था प्रमुख डा0 पी0 एन0 कुशवाहा अधिकारिता दिवस के अवसर पर डा0 मैटी के चित्र पर माल्यापर्ण करते हुये दायीं ओर इन्सटीट्यूट, द्वारा एक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।

फतेहपुर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेन्टर में कुछ इस प्रकार अधिकारिता दिवस मनाया गया—जावा गजट

अधिकारिता दिवस के अवसर पर ऊपर मऊ में डा0 अयाज अहमद

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन,उ0प्र0

8—लालबाग, कमला शर्मा मार्ग, लखनऊ—226001
प्रशा0 कार्या0 : 127/204 "एस" जूही,कानपुर—208014
Email: registrarbehmup@gmail.com

पत्रांक — 573/बी0ई0एच0एम0/2025—26 दिनांक 14—01—2026

दिसम्बर 2025 का परीक्षाफल घोषित

बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 ने दिसम्बर 2025 का परीक्षा परिणाम घोशित कर दिया गया है इसे इस प्रकार देख है :—सबसे पहले बोर्ड की वेबसाईट www.behm.org.in पर जायेंऔर बायें ओर Result पर click करें आपको निम्न आइकन दिखाई देंगे, आप इसे भरे और अपना परिणाम चेक कर लें।

Result

To check your Result put the Enroll no in the box given below, given by the Board of Electro Homoeopathic Medicine U.P.

Year Select Year Enroll No Input Text..... Month Select Month Search

यहाँ 2025 सिलेक्ट करें — यहाँ अपना इन्रोलमेन्ट टाइप करें — December पर क्लिक करें — यहां क्लिक करें

नोट सभी सम्बंधित नेट पर दर्शाये गये अंक—पत्र पर अपना नाम, पिता का नाम, प्राप्तांकों का योग सावधानी से चेक कर लें यदि कोई त्रुटि हो तो 5 दिन के अन्दर अपने केन्द्र प्रमुख के माध्यम से अविलम्ब संशोधन निःशुल्क करायें।

डा0(अशीक अहमद)
प्रभारी परीक्षायें
बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0
9450153215

इलेक्ट्रो होम्योपैथी के आविष्कारक काउण्ट मैटी के 217 वें जन्मोत्सव के कार्यक्रम

डा0 काउण्ट मैटी के 217 जन्मोत्सव पर कार्यक्रम का संचालन करते हुये फतेहपुर के डा0 वकील अहमद

मैटी का 217 जन्मोत्सव डा0 शिव कुमार पाल द्वारा जनपद फिरोज़बाद में मनाया गया

बी0 बी0 ई0 एच स्टडी सेन्टर हमीरपुर में मैटी का 217 जन्मोत्सव कुछ इस प्रकार आयोजित किया गया।

डा0 आर0 के0 शर्मा गीडिया को मैटी के 217 वें जन्म दिवस कार्यक्रमों की जानकारी देते हुये

वलीदपुर, जनपद मऊ में मैटी का 217वां जन्मोत्सव कार्यक्रम वलीदपुर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेन्टर के प्रमुख डा0 अयाज़ अहमद की अध्यक्षता में आयोजित किया गया।

B.M.E.H. Institute Jaunpur में Dr. P.K. Maurya की अध्यक्षता में मैटी का 217 वां जन्म दिवस पर निःशुल्क कैम्प लगाया गया।

S.E.H. Medical Institute Shahganj, में Dr. S.N. Rai की अध्यक्षता में मैटी का 217 वां जन्म दिवस आयोजित हुआ

रायबरेली–इलेक्ट्रो होम्योपैथी के जनक डॉ0 काउण्ट सीजर मैटी के जन्मदिन के अवसर पर आशीष इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इंस्टीट्यूट और हॉस्पिटल छजलापुर में धूम धाम से मनाया गया, इस अवसर पर उप प्राचार्य डॉ0 रमेश कुमार द्विवेदी ने कहा कि वर्ष 2026 मिशन सरकारी बोर्ड के गठन का प्रयास तेजी से किया जाएगा और सभी चिकित्सक बंधुओं से अनुरोध है कि उक्त बोर्ड के गठन में सभी चिकित्सक तन मन धन से लग जावें। कार्यक्रम में डॉ0 शुभम राजपूत, डॉ0 सुनील कुमार,डा0 रामविलास मौर्या, डॉ0 एन0के0 सिंह, डॉ0 राम प्रकाश मौर्या, डा0 राम लखन, डॉ0 शोभनाथ, लाल जी पटेल आदि चिकित्सक उपस्थित थे।

C.P.E.H. मेडिक इन्सटीट्यूट Azamgarh, में डा0 मुश्ताक की अध्यक्षता में मैटी का 217 वां जन्मोत्सव आयोजित हुआ

मैटी का जन्मदिन सेवा कार्यों के साथ मनाया गया

बायें से दायें आरती इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेन्टर जालौन के प्रमुख डा0 गया प्रसाद एवं बायें श्री नरेन्द्र कुशवाहा, मैटी के 217 वें जन्मदिवस पर गरीबों को कम्बल वितरित करते हुये।

जालौन, (सुजानपुर) जनपद जालौन के कदौरा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सुजानपुर में नाथ एजुकेशनल एण्ड सोशल वेलफेयर सोसाइटी द्वारा इलेक्ट्रो होम्योपैथी के जनक डॉ0 काउण्ट सीजर मैटी के जन्मदिन के अवसर पर सेवा एवं जनकल्याण का आयोजन किया गया।

यह कार्यक्रम आरती इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेंटर सुजानपुर में सम्पन्न हुआ जिसमें जरूरतमंद लोगों को निशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई गयी।

कार्यक्रम के दौरान वृद्ध महिलाओं एवं बुजुर्गों को लगभग 150 कम्बल वितरित किये गये, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री मिथलेश कुमार निश्रा (संयुक्त सचिव, इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया) रहे, कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं संचालन में प्रबंधक डॉ0 गया प्रसाद की महत्वपूर्ण भूमिका रही, इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष नरेंद्र नाथ, उपाध्यक्ष डॉ0 सुरेंद्र कुमार, सदस्य रामकृष्ण, डॉ0 कमलेश सहित एवं अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे, कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने संस्था द्वारा किए जा रहे सामाजिक एवं स्वास्थ्य सम्बन्धी कार्यों की सराहना की।

डा0 काउण्ट सीज़र मैटी के 217वें जन्मोत्सव के अवसर पर परम्परानुसार बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के चेयरमैन डा0 एम0 एच0 इदरीसी उनके साथ में B.E.H.M.U.P., की O.S.D.डा0 श्रीमती शाहिना इदरीसी, बोर्ड के समस्त स्टाफ आये हुये अतिथिगण एवं श्रोतागणों के साथ केक काटते हुये।

डा0 मैटी के चित्र पर संयुक्त रूप से माल्यार्पण करते हुये डा0 पी0 आर0 चूसिया (लखनऊ) एवं डा0 आर0 के0 शर्मा (लखीमपुर)

बी0 ई0 एच0 एम0 के लिए डा0 अतीक अहमद द्वारा गजट प्रेस 126 टी/22 'ए' रामलाल का तालाब, जूही, कानपुर–14 से मुद्रित एवं मिथलेश कुमार मिश्रा द्वारा कम्प्यूटराइज्ड करा कर 9/1 पीली कालोनी, जूही, कानपुर–208014 से प्रकाशित किया।